# हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

## व्याकरण

### जनसंचार के माध्यम

* रिपोर्ट लेखन
* संपादकीय लेखन
* आलेख लेखन
* फीचर लेखन
* पत्र लेखन (औपचारिक एवं अनौपचारिक)
* निबन्ध लेखन (समसामयिक विषय)
* मुहावरे एवं लोकोक्तियों का वाक्य प्रयोग
* अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
* विलोम शब्द
* पर्यायवाची शब्द
* समरूप भिन्नार्थक शब्द
* अनेकार्थी शब्द
* संधि (स्वर एवं व्यंजन)
* समास
* वाक्य रूपांतरण
* वाक्य शोधन
* उपसर्ग एवं प्रत्यय
* विराम चिह्नों का प्रयोग
* वाक्य प्रयोग
* संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण उदाहरण सहित

## 1. हिन्दी भाषा और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहदस साहित्य और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्य भाषा के रूप मे अवधीका उदय विकास, ब्रजभाषा का उदय, खड़ी बोली का उदय, भाषा वैज्ञानिक विवरण-हिन्दी की बोलियाँ, बर्गीकरण तथा क्षेत्र-नगरी लिपि और उसका ध्वनिगत मानकीकरण।

## 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्यका इतिहास दर्शन, इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, प्रमुख इतिहास ग्रंथ, इतिहास का काल विभाजन, नामकरण, **आदिकाल :** हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब, जैन नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता विद्यापति की पदावली। **मध्यकाल :** भक्ति आंदोलन के उदय, सामाजिक, सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण सम्प्रदाय, निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, काव्य की प्रमुख विशेषताएँ। हिन्दी सूफी काव्य की विशेषताएँ, जायसी पद्‌भावत का महत्व, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ और काव्यरूप। रीतिकाल दरबारी, संस्कृति, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारी, देव, धनानन्द और पद्‌भाकर। **आधुनिक काल :** भारतेन्दु, पूर्व गद्य १८५७ की राष्ट्रीय क्रांति - हिन्दी पत्रकारिता युग, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिली शरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, छायावाद के प्रमुख कवि प्रसाद, निराला, पंत महादेवी वर्मा। प्रगतिशील काव्य प्रमुख कवि प्रयोगवाद और नूई कविका।

## 3. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

हिन्दी साहित्य : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास और उनका युग, परवर्ती प्रमुख उपन्यासकारः जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, कणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म, साहनी, कृष्णा सोबाती। गोदान - प्रेमचंद एवं° मैला आंचल का उद्देश्य लेखन। हिन्दी नाटक रंगमंच के विकास के चरण नाट्यकृतियाँ, अंधेर नगरी, स्कन्द गुप्त, अंधा युग, आधे-अधुरे। हिन्दी निबन्ध, निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार, रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी। **हिन्दी आलोचना :** हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख आलोचक, रामचन्द्र शुक्ल, नन्द दुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, हिन्दी की ग्रन्थ, गद्य विधाएँ रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मा कथा और जीवनी।

## 4. काव्यशास्त्र और आलोचना 20

रस के अवयव : भरतमुनि का रस रूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार, साधारणीकरण, शब्द शक्तियाँ और ध्वनि स्वरूप अंलकांर यमक, शलेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमजं, अतिस्योक्ति, अन्योक्ति, समोषोक्ति।